प्रेषक,

सचिव,
उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद,
प्रयागराज।

सेवा में,

समस्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी,
उत्तर प्रदेश।

पत्रांकः बे0शि0प0/2394)-2026/2025–26, दिनांक – 31.03.2026

विषयः– उ0प्र0, बेसिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज के नियंत्रणाधीन संचालित परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं कम्पोजिट विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2026–27 हेतु एकेडमिक कैलेंडर के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक महानिदेशक, स्कूल शिक्षा, उ0प्र0, लखनऊ के पत्रांक–गुण0वि0/कैलेण्डर/10099/2025–26, दिनांक 30 मार्च, 2026 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जो उ0प्र0, बेसिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज के नियंत्रणाधीन संचालित परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं कम्पोजिट विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2026–27 हेतु एकेडमिक कैलेंडर के सम्बन्ध में है।

उक्त के अनुक्रम में अवगत कराना है कि सक्षम स्तर से प्राप्त अनुमोदन के क्रम में परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं कम्पोजिट विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2026–27 हेतु एकेडमिक कैलेंडर तैयार किया गया है।

तत्सम्बन्धी एकेडमिक कैलेंडर इस पत्र के साथ संलग्न कर इस निर्देश के साथ आपको प्रेषित किया जा रहा है कि कृपया तद्नुसार अग्रतर आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

संलग्नकः–उक्तवत्।

भवदीय,

(सुरेन्द्र कुमार तिवारी)
सचिव,
उ0प्र0, बेसिक शिक्षा परिषद,
प्रयागराज।

पृ0सं0/बे0शि0प0/2394)-2026/2025–26, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1– महानिदेशक, स्कूल शिक्षा, उ0प्र0, लखनऊ।
2– समस्त जिलाधिकारी, उत्तर प्रदेश।
3– समस्त मुख्य विकास अधिकारी, उत्तर प्रदेश।
4– शिक्षा निदेशक (बेसिक), उ0प्र0, लखनऊ।
5– समस्त मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक), उ0प्र0।

31.3.26

(सुरेन्द्र कुमार तिवारी)
सचिव,
उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद,
प्रयागराज।

महानिदेशक, स्कूल शिक्षा
एवं
राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

निपुण भारत

समग्र शिक्षा, विद्या भवन, निशातगंज, लखनऊ –226007

वेब–साइट: www.basiceducation.up.gov.in, ई–मेल: upefaspo@gmail.com दूरभाष: 0522-4024440, 2780384, 2781128

सेवा में,

सचिव
उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद्
प्रयागराज।

पत्रांकः गुण0वि0/ कैलेण्डर/ 10099 /2025–26 दिनांक 30 मार्च, 2026

विषयः **परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, कम्पोजिट एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2026–27 हेतु एकेडमिक कैलेण्डर विकसित किये जाने के संबंध में।**

महोदय/महोदया,

कृपया सक्षम स्तर से प्राप्त अनुमोदन के क्रम में परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, कम्पोजिट एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के लिये शैक्षिक सत्र 2026–27 हेतु एकेडमिक कैलेण्डर तैयार किया गया है। तत्संबंधी एकेडमिक कैलेण्डर संलग्न कर इस अनुरोध के साथ प्रेषित किया जा रहा है कि तद्नुसार अग्रतर कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नक–उक्तवत्।

भवदीय,

(राजेन्द्र प्रसाद)
अपर परियोजना निदेशक

पृ0सं0: गुण0वि0/कैलेण्डर/ /2025–26 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा, उ0प्र0 शासन।
2. वैयक्तिक सहायक, राज्य परियोजना निदेशक, राज्य परियोजना कार्यालय, लखनऊ।

(राजेन्द्र प्रसाद)
अपर परियोजना निदेशक

Scanned with OKEN Scanner

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद्

अकादमिक कैलेंडर

अप्रैल 2026

क्षेत्र	गतिविधियाँ
शिक्षण कार्य एवं पाठ्य सहगामी क्रियाएँ	· स्कूल चलो अभियान (प्रथम चरण)– कक्षा 1 से 8 (1-15 अप्रैल तक) · शिक्षण कार्य आरंभ – 1 अप्रैल से; **'नए सत्र में नया सवेरा'** का आयोजन · कक्षा 1 के लिए **'विद्या प्रवेश'** कार्यक्रम प्रारम्भ किया जाए। · कक्षा 5 उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों का नामांकन कक्षा 6 में एवं कक्षा 8 उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों का नामांकन कक्षा 9 में शत प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। · प्रत्येक कक्षा के लिए विषयवार मासिक शिक्षण योजना (Lesson Plan) तैयार की जाए। · विद्यालय पुस्तकालय के सुदृढ़ उपयोग हेतु विशेष गतिविधि प्रारम्भ की जाएँ। कक्षा 2 से 8 तक के विद्यार्थियों द्वारा लाइब्रेरी हेतु सप्ताह में एक "वादन-दिवस (**रीडिंग-डे**)" निर्धारित किया जाए। · छात्रों को पाठ्यपुस्तकों एवं कार्यपुस्तिकाओं का वितरण सुनिश्चित किया जाए। · प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) हेतु छात्रों के बैंक खाते खुलवाना सुनिश्चित किया जाए। ·इस माह तक कक्षावार एवं विषयवार वार्षिक पाठ्यक्रम का लगभग **10 प्रतिशत** पाठ्यक्रम पूर्ण किया जाए तथा कक्षा 6 से 8 के प्रत्येक कालांश में कम से कम 10 मिनट ICT संसाधनों का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए। · कक्षा 6-8 में शिक्षण की प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु सप्ताह में एक कालांश का निर्धारण 'खान एकेडमी' के डिजिटल संसाधनों के उपयोग हेतु किया जाए। · प्रधानाध्यापक द्वारा माह हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्ण किए जाने की प्रगति की समीक्षा की जाए।
बैठकों का आयोजन	· विद्यालय प्रबंध समिति (SMC) की बैठक आयोजित कर नवीन सत्र की कार्य योजना साझा की जाए। · अध्यापकों को एकेडमिक कैलेण्डर एवं शैक्षिक समय सारणी उपलब्ध कराई जाए। · मेगा PTM का आयोजन किया जाए, जिसमें शैक्षिक सत्र 2025-26 की प्रगति एवं आगामी सत्र में अभिभावकों की विद्यालय से अपेक्षा पर चर्चा की जाए।
आकलन	· शैक्षिक सत्र 2026-27 में आयोजित किए जाने वाले आकलन/ मूल्यांकन के संबंध में अध्यापकों, अभिभावकों एवं छात्र-छात्राओं को अवगत कराया जाए। · कक्षा 1 से 3 की कार्यपुस्तिकाओं में दिए गए साप्ताहिक आकलन **'मैंने सीख लिया'** को संदर्शिका में दिए निर्देशानुसार क्रियान्वित किया जाए।
खेलकूद, शारीरिक शिक्षा	· विद्यालय स्तरीय खेलकूद समिति का गठन किया जाए।
राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय दिवसों, सप्ताहों से संबंधित गतिविधियों का आयोजन	· 7 अप्रैल – **विश्व स्वास्थ दिवस** का आयोजन किया जाए। · 14 अप्रैल – **अम्बेडकर जयन्ती** पर गतिविधियों का आयोजन किया जाए।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद्

अकादमिक कैलेंडर
मई 2026

क्षेत्र	गतिविधियाँ
शिक्षण कार्य एवं पाठ्य सहगामी क्रियाएँ	· इस माह तक कक्षावार एवं विषयवार वार्षिक पाठ्यक्रम का लगभग **20 प्रतिशत** पाठ्यक्रम पूर्ण किया जाए तथा कक्षा 6 से 8 के प्रत्येक कालांश में कम से कम 10 मिनट ICT संसाधनों का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए। · कक्षा 6-8 में शिक्षण की प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु सप्ताह में एक कालांश का निर्धारण 'खान एकेडमी' के डिजिटल संसाधनों के उपयोग हेतु किया जाए।। · विद्यार्थियों को ग्रीष्म-अवकाश हेतु गृह-कार्य (holiday homework) – विषयवार दिए जाएं तथा पढ़ाए गए अध्यायों से लेखन एवं आंकिक प्रश्नों को हल करना जैसे कार्य दिए जाएं। · प्रधानाध्यापक द्वारा माह हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्ण किए जाने की प्रगति की समीक्षा की जाए।
विशेष आयोजन	· समर कैम्प का आयोजन (ग्रीष्म-अवकाश में)
खेलकूद, शारीरिक शिक्षा	· विद्यार्थियों को योगाभ्यास एवं शारीरिक व्यायाम की जानकारी दी जाए।
राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय दिवसों, सप्ताहों से संबंधित गतिविधियों का आयोजन	· 1 मई – **श्रमिक दिवस** सम्बन्धी कार्यक्रम का आयोजन किया जाए।

अकादमिक कैलेंडर
जून 2026

क्षेत्र	गतिविधियाँ
शिक्षण कार्य एवं पाठ्य सहगामी क्रियाएँ	· इस माह तक कक्षावार एवं विषयवार वार्षिक पाठ्यक्रम का लगभग **20 प्रतिशत** पाठ्यक्रम पूर्ण किया जाए तथा कक्षा 6 से 8 के प्रत्येक कालांश में कम से कम 10 मिनट ICT संसाधनों का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए। · कक्षा 6-8 में शिक्षण की प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु सप्ताह में एक कालांश का निर्धारण 'खान एकेडमी' के डिजिटल संसाधनों के उपयोग हेतु किया जाए।
विशेष आयोजन	· समर कैम्प का आयोजन (विभागीय निर्देशानुसार)
राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय दिवसों, सप्ताहों से संबंधित गतिविधियों का आयोजन	· 5 जून – **विश्व पर्यावरण दिवस** के अवसर पर ऑनलाइन / व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से पोस्टर, निबंध, प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया जाए। · 21 जून – **विश्व योग दिवस** का आयोजन किया जाए।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद्

अकादमिक कैलेंडर
जुलाई 2026

क्षेत्र	गतिविधियाँ
शिक्षण कार्य एवं पाठ्य सहगामी क्रियाएँ	· स्कूल चलो अभियान (द्वितीय चरण)– कक्षा 1 से 8 (1-15 जुलाई तक) · छात्रवृत्ति आवेदन के सम्बन्ध में छात्र-छात्राओं को जागरूक करना एवं आवेदन फार्म भरवाना। · कक्षा-वार वाचन प्रतियोगिता (Reading Competition) का आयोजन। · इस माह तक कक्षावार एवं विषयवार वार्षिक पाठ्यक्रम का लगभग **30 प्रतिशत** पाठ्यक्रम पूर्ण किया जाए तथा कक्षा 6 से 8 के प्रत्येक कालांश में कम से कम 10 मिनट ICT संसाधनों का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए। · कक्षा 6-8 में शिक्षण की प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु सप्ताह में एक कालांश का निर्धारण 'खान एकेडमी' के डिजिटल संसाधनों के उपयोग हेतु किया जाए। · प्रधानाध्यापक द्वारा माह हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्ण किए जाने की प्रगति की समीक्षा की जाए।
राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय दिवसों, सप्ताहों से संबंधित गतिविधियों का आयोजन	· वर्षा ऋतु के संदर्भ में पर्यावरण अध्ययन आधारित परियोजना कार्य कराया जाए।

अकादमिक कैलेंडर
अगस्त 2026

क्षेत्र	गतिविधियाँ
शिक्षण कार्य एवं पाठ्य सहगामी क्रियाएँ	· इस माह तक कक्षावार एवं विषयवार वार्षिक पाठ्यक्रम का लगभग **40 प्रतिशत** पाठ्यक्रम पूर्ण किया जाए तथा कक्षा 6 से 8 के प्रत्येक कालांश में कम से कम 10 मिनट ICT संसाधनों का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए। · कक्षा 6-8 में शिक्षण की प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु सप्ताह में एक कालांश का निर्धारण 'खान एकेडमी' के डिजिटल संसाधनों के उपयोग हेतु किया जाए। · प्रधानाध्यापक द्वारा प्रथम सत्र परीक्षा से पूर्व निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की जाए।
आकलन	· **प्रथम सत्र परीक्षा** – अब तक पूर्ण किए गए पाठ्यक्रम के आधार पर विषय वार प्रश्न पत्रों का निर्माण किया जाए। प्रथम सत्र परीक्षा का आयोजन किया जाए तथा प्राप्त अंकों के आधार पर 'समग्र प्रगति पत्र' भरा जाए। · बच्चों की शैक्षिक प्रगति के संबंध में अभिभावकों को अवगत कराया जाए।
खेलकूद, शारीरिक शिक्षा	· सदनवार खेल-कूद, व्यायाम, योग सम्बन्धी प्रतियोगिताओं का आयोजन। · राष्ट्रीय खेल दिवस (29 अगस्त) के अवसर पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन।
राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय दिवसों, सप्ताहों से संबंधित गतिविधियों का आयोजन	· 15 अगस्त – **स्वतंत्रता दिवस** कार्यक्रम के अवसर पर ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, देशभक्ति गीत, भाषण एवं अन्य शैक्षिक-सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाए। स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित इतिहास एवं सामान्य ज्ञान आधारित गतिविधियाँ। विद्यार्थियों द्वारा भाषण, निबंध एवं कविता पाठ प्रतियोगिता। "हर घर तिरंगा" अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाए।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद्

अकादमिक कैलेंडर
सितम्बर 2026

क्षेत्र	गतिविधियाँ
शिक्षण कार्य एवं पाठ्य सहगामी क्रियाएँ	· भाषा, गणित, पर्यावरण विज्ञान विषयों में हैंड्स-ऑन गतिविधियाँ और प्रयोग। · विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुसार आवश्यक शैक्षिक गतिविधियाँ सुनिश्चित की जाएँ तथा विद्यालय एवं विकास खण्ड स्तरीय क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाए। · इस माह तक कक्षावार एवं विषयवार वार्षिक पाठ्यक्रम का लगभग **50 प्रतिशत** पाठ्यक्रम पूर्ण किया जाए तथा कक्षा 6 से 8 के प्रत्येक कालांश में कम से कम 10 मिनट ICT संसाधनों का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए। · कक्षा 6-8 में शिक्षण की प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु सप्ताह में एक कालांश का निर्धारण 'खान एकेडमी' के डिजिटल संसाधनों के उपयोग हेतु किया जाए। · प्रधानाध्यापक द्वारा माह हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्ण किए जाने की प्रगति की समीक्षा की जाए।
आकलन	· विभागीय निर्देशानुसार विद्यार्थियों की प्रगति को **'समग्र प्रगति पत्र'** पर दर्ज किया जाए एवं अभिभावकों को अवगत कराया जाए।
खेलकूद, शारीरिक शिक्षा	· खेल-कूद, व्यायाम, योग सम्बन्धी प्रतियोगिताओं का आयोजन। · विभाग द्वारा जारी कार्यक्रमानुसार स्कूल गेम्स / खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन सुनिश्चित किया जाए। दिनांक 30 सितम्बर तक जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन सुनिश्चित किया जाए।
राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय दिवसों, सप्ताहों से संबंधित गतिविधियों का आयोजन	· 5 सितम्बर – **शिक्षक दिवस** के अवसर पर शिक्षकों का अभिनंदन कार्यक्रम। शिक्षक दिवस पर विद्यार्थियों द्वारा बाल-शिक्षक गतिविधि (Student Teaching Activity) करायी जाएँ। · 14 सितम्बर – **हिंदी दिवस** सम्बन्धी कार्यक्रम का आयोजन किया जाए। · दिनांक 24 सितम्बर – को **मीना दिवस** के अवसर पर बालिका सशक्तिकरण विषय आधारित विभिन्न गतिविधियों का संचालन, चर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाए।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद्

अकादमिक कैलेंडर

अक्टूबर 2026

क्षेत्र	गतिविधियाँ
शिक्षण कार्य एवं पाठ्य सहगामी क्रियाएँ	· अर्ध वार्षिक परीक्षा से पूर्व जो विद्यार्थी लगातार अनुपस्थित हो रहे हों, उन्हें प्रधानाध्यापक द्वारा सूचित कर 75 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु अभिभावकों को फोन कॉल तथा होम विजिट की जाए। · इस माह तक कक्षावार एवं विषयवार वार्षिक पाठ्यक्रम का लगभग **60 प्रतिशत** पाठ्यक्रम पूर्ण किया जाए तथा कक्षा 6 से 8 के प्रत्येक कालांश में कम से कम 10 मिनट ICT संसाधनों का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए। · कक्षा 6-8 में शिक्षण की प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु सप्ताह में एक कालांश का निर्धारण 'खान एकेडमी' के डिजिटल संसाधनों के उपयोग हेतु किया जाए। · प्रधानाध्यापक द्वारा अर्ध-वार्षिक परीक्षा से पूर्व निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रगति की समीक्षा जाए।
आकलन	· सितम्बर माह तक पढ़ाए गए पाठ्यक्रम के आधार पर **अर्ध-वार्षिक परीक्षा** (लिखित एवं मौखिक) का आयोजन किया जाए । · अर्धवार्षिक परीक्षा में प्राप्त अंकों को निर्देशानुसार विद्यार्थियों की प्रगति को **'समग्र प्रगति पत्र'** पर दर्ज किया जाए। · बच्चों की शैक्षिक प्रगति के संबंध में अभिभावकों को अवगत कराया जाए।
खेलकूद, शारीरिक शिक्षा	· विभाग द्वारा निर्धारित कार्यक्रमानुसार स्कूल गेम्स / खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन सुनिश्चित किया जाए। जोनल स्तर की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाए।
राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय दिवसों, सप्ताहों से संबंधित गतिविधियों का आयोजन	· 2 अक्टूबर – गाँ**धी जयंती** का आयोजन किया जाए। · 31 अक्टूबर – **सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती, राष्ट्रीय एकता दिवस** सम्बन्धी कार्यक्रम का आयोजन किया जाए। · स्वच्छता अभियान / स्वच्छ विद्यालय अभियान का आयोजन। विद्यार्थियों में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता गतिविधियाँ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद्

अकादमिक कैलेंडर

नवम्बर 2026

क्षेत्र	गतिविधियाँ
शिक्षण कार्य एवं पाठ्य सहगामी क्रियाएँ	· उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं का विभागीय निर्देशानुसार शैक्षिक भ्रमण कराना। · अर्ध-वार्षिक परीक्षाफल को प्रेरणा पोर्टल पर अपलोड करना। · अर्ध-वार्षिक परीक्षाफल के आधार पर 50 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का चिह्नांकन एवं विषयवार अतिरिक्त शैक्षिक अनुसमर्थन प्रदान किया जाए। · कक्षा 6-8: विज्ञान विषय में विज्ञान मॉडल निर्माण गतिविधि। · कक्षा 6-8: सामाजिक विज्ञान विषय में स्थानीय इतिहास पर आधारित परियोजना कार्य। · इस माह तक कक्षावार एवं विषयवार वार्षिक पाठ्यक्रम का लगभग **70 प्रतिशत** पाठ्यक्रम पूर्ण किया जाए तथा कक्षा 6 से 8 के प्रत्येक कालांश में कम से कम 10 मिनट ICT संसाधनों का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए। · कक्षा 6-8 में शिक्षण की प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु सप्ताह में एक कालांश का निर्धारण 'खान एकेडमी' के डिजिटल संसाधनों के उपयोग हेतु किया जाए। · प्रधानाध्यापक द्वारा माह हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्ण किए जाने की प्रगति की समीक्षा की जाए।
खेलकूद, शारीरिक शिक्षा	· विद्यालय / जनपदीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन।
राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय दिवसों, सप्ताहों से संबंधित गतिविधियों का आयोजन	· 14 नवम्बर – **बाल दिवस** पर सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाए। · 26 नवम्बर – **संविधान दिवस** सम्बन्धी कार्यक्रम का आयोजन किया जाए। · **पुस्तकालय सप्ताह** (Library Week) का आयोजन कर विद्यार्थियों में पठन-पाठन की रुचि विकसित करने हेतु कहानी वाचन, पुस्तक समीक्षा, पठन प्रतियोगिता आदि गतिविधियाँ आयोजित की जाएँ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद्

अकादमिक कैलेंडर
दिसम्बर 2026

क्षेत्र	गतिविधियाँ
शिक्षण कार्य एवं पाठ्य सहगामी क्रियाएँ	· कक्षा 6-8: गणितीय खेल प्रतियोगिता (Maths Quiz) का आयोजन किया जाए। · इस माह तक कक्षावार एवं विषयवार वार्षिक पाठ्यक्रम का लगभग **80 प्रतिशत** पाठ्यक्रम पूर्ण किया जाए तथा कक्षा 6 से 8 के प्रत्येक कालांश में कम से कम 10 मिनट ICT संसाधनों का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए। · कक्षा 6-8 में शिक्षण की प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु सप्ताह में एक कालांश का निर्धारण 'खान एकेडमी' के डिजिटल संसाधनों के उपयोग हेतु किया जाए। · प्रधानाध्यापकों द्वारा द्वितीय सत्र परीक्षा से पूर्व निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की जाए।
आकलन	· **द्वितीय सत्र परीक्षा** – अब तक पूर्ण किए गए पाठ्यक्रम के आधार पर विषय वार प्रश्न पत्रों का निर्माण किया जाए। द्वितीय सत्र परीक्षा का आयोजन किया जाए तथा प्राप्त अंकों के आधार पर 'समग्र प्रगति पत्र' को निर्देशानुसार भरा जाए। · निपुण विद्यालय आकलन विभागीय निर्देशानुसार आयोजित किया जाए। · बच्चों की शैक्षिक प्रगति के संबंध में अभिभावकों को अवगत कराया जाए।
खेलकूद, शारीरिक शिक्षा	· वार्षिक खेल महोत्सव का आयोजन किया जाए।
राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय दिवसों, सप्ताहों से संबंधित गतिविधियों का आयोजन	· 22 दिसम्बर – **गणितज्ञ रामानुजन के जन्म दिवस** का आयोजन। विभागीय निर्देशानुसार राष्ट्रीय गणित दिवस (National Mathematics Day) तथा संबंधित शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन कर विद्यार्थियों में गणित विषय के प्रति रुचि एवं तार्किक सोच को प्रोत्साहित किया जाए। · 11 दिसम्बर – महान राष्ट्रवादी तमिल कवि **श्री सुब्रह्मण्यम भारती जी की जयन्ती** पर भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया जाए, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में विद्यालयों में स्थानीय एवं मातृ भाषा को सुदृढ़ बनाए जाने के दृष्टिगत "भारतीय भाषा उत्सव" के अन्तर्गत साप्ताहिक थीम पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया जाए। · 26 दिसम्बर – समस्त परिषदीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक, कम्पोजिट एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में **'वीर बाल दिवस'** कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाए। · विद्यालय स्तर पर वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जाए।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद्

अकादमिक कैलेंडर
जनवरी 2027

क्षेत्र	गतिविधियाँ
शिक्षण कार्य एवं पाठ्य सहगामी क्रियाएँ	· विद्यार्थियों की 75 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। · अर्ध-वार्षिक परीक्षाफल के आधार पर 50 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का चिह्नांकन एवं विषयवार शैक्षिक सहयोग दिया जाए। · कक्षा 6-8: विद्यार्थियों के लिए कैरियर जागरूकता सत्र। · इस माह तक कक्षावार एवं विषयवार वार्षिक पाठ्यक्रम का लगभग **90 प्रतिशत** पाठ्यक्रम पूर्ण किया जाए तथा कक्षा 6 से 8 के प्रत्येक कालांश में कम से कम 10 मिनट ICT संसाधनों का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए। · कक्षा 6-8 में शिक्षण की प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु सप्ताह में एक कालांश का निर्धारण 'खान एकेडमी' के डिजिटल संसाधनों के उपयोग हेतु किया जाए। · प्रधानाध्यापक द्वारा माह हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्ण किए जाने की प्रगति की समीक्षा की जाए।
आकलन	· **निपुण विद्यालय आकलन** विभागीय निर्देशानुसार आयोजित किया जाए।
राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय दिवसों, सप्ताहों से संबंधित गतिविधियों का आयोजन	· 24 जनवरी – **उत्तर प्रदेश दिवस** के अवसर पर सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रतियोगिता का विद्यालय, जनपद, मण्डल तथा प्रदेश स्तर पर आयोजन किया जाए। · 26 जनवरी – **गणतंत्र दिवस** का आयोजन किया जाए।

अकादमिक कैलेंडर
फरवरी 2027

क्षेत्र	गतिविधियाँ
शिक्षण कार्य एवं पाठ्य सहगामी क्रियाएँ	· वार्षिक परीक्षा की तैयारी हेतु मॉडल प्रश्नपत्र अभ्यास। पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति एवं अभ्यास कार्य। · कक्षा 6-8: विद्यार्थियों के लिए विज्ञान प्रदर्शनी / विज्ञान मेला का आयोजन किया जाए। · इस माह तक कक्षावार एवं विषयवार वार्षिक पाठ्यक्रम का **100 प्रतिशत** पाठ्यक्रम पूर्ण किया जाए तथा कक्षा 6 से 8 के प्रत्येक कालांश में कम से कम 10 मिनट ICT संसाधनों का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए। · कक्षा 6-8 में शिक्षण की प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु सप्ताह में एक कालांश का निर्धारण 'खान एकेडमी' के डिजिटल संसाधनों के उपयोग हेतु किया जाए। · प्रधानाध्यापक द्वारा वार्षिक परीक्षा से पूर्व निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की जाए।
राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय दिवसों, सप्ताहों से संबंधित गतिविधियों का आयोजन	· 28 फरवरी – **राष्ट्रीय विज्ञान दिवस** के अवसर पर छात्र-छात्राओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने हेतु विभागीय निर्देशानुसार विज्ञान प्रदर्शनी, मॉडल प्रदर्शन, प्रतियोगिता आदि गतिविधियाँ आयोजित करायी जाएँ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद्

अकादमिक कैलेंडर

मार्च 2027

क्षेत्र	गतिविधियाँ
शिक्षण कार्य एवं पाठ्य सहगामी क्रियाएँ	· प्रधानाध्यापक द्वारा वार्षिक परीक्षा से पूर्व समीक्षा की जाए। · इस माह प्रत्येक कक्षा में विषयवार वार्षिक पाठ्यक्रम का दोहराव तथा मॉडल प्रश्नों के आधार पर छात्र-छात्राओं का नियमित अभ्यास कराया जाए।
आकलन	· वार्षिक परीक्षा (Annual Examination) के उपरांत विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों की घोषणा (Declaration of Results) करने तथा अभिभावकों को भी परिणामों से अवगत कराने हेतु वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन कराया जाए। · विद्यार्थियों के लिए पुरस्कार वितरण एवं प्रोत्साहन कार्यक्रम। · अभिभावकों को **'समग्र प्रगति पत्र'** उपलब्ध कराते हुए बच्चों के सकारात्मक एवं सुधारात्मक पक्षों पर चर्चा की जाए।
राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दिवसों, सप्ताहों से संबंधित गतिविधियों का आयोजन	· 8 मार्च – **विश्व महिला दिवस** का आयोजन किया जाए।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद्

सामान्य निर्देश

1. सत्र के प्रारंभ से ही प्रेरणा पोर्टल क्रियाशील रहेगा, जिस पर विद्यार्थियों का पंजीकरण (registration) किया जाए।
2. विद्यार्थियों के विद्यालयों में प्रवेश के साथ-साथ पंजीकरण की प्रक्रिया भी प्रारंभ की जाए तथा आवश्यक विवरण यथा – विद्यार्थी का नाम, माता का नाम, पिता का नाम, जन्मतिथि आदि का मिलान विद्यालयी रिकार्ड से कर लिया जाए।
3. विद्यालय संचालन एवं पढ़ाई के घण्टे निम्नवत् निर्धारित किए गए हैं :-

शैक्षणिक समय –

1 अप्रैल से 30 सितम्बर तक : प्रातः 8:00 बजे से अपरान्ह 2:00 बजे
प्रार्थना सभा प्रातः 8:00 से 8:15 बजे

1 अक्टूबर से 31 मार्च तक : प्रातः 9:00 बजे से अपरान्ह 3:00 बजे
प्रार्थना सभा प्रातः 9:00 से 9:15 बजे

नोट - शिक्षक शिक्षण अवधि से 15 मिनट पूर्व एवं शिक्षण अवधि के पश्चात् न्यूनतम 30 मिनट विद्यालय में उपस्थित रहेंगे।

4. **समय-सारिणी** :- विद्यालय निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार ही संचालित किए जायेंगे। निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार प्रत्येक कालांश 40 मिनट का होगा। प्रत्येक कालांश में शिक्षकों द्वारा अपने विषय से जुड़ाव के लिये सकारात्मक वातावरण का निर्माण किया जाए एवं पिछले दिनों पढ़ाये गए पाठ की पुनरावृत्ति/ रिकैप कराया जाए। तदुपरान्त प्रभावी कक्षा शिक्षण/ गतिविधियों का संचालन एवं कालांश के अन्त में पढ़ाए/ सिखाए गए पाठ्य बिन्दुओं का समेकन किया जाए।
5. **ग्रीष्मावकाश एवं शीतकालीन अवकाश** :- उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन संचालित परिषदीय विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2021-22 से ग्रीष्मावकाश एवं शीतकालीन अवकाश निम्नवत निर्धारित किया गया है :-

शीतकालीन अवकाश – दिनांक 31 दिसम्बर से 14 जनवरी तक
ग्रीष्मावकाश दिनांक – दिनांक 20 मई से 15 जून तक

6. विद्यालय में शिक्षण के दौरान प्रथम वादन से पूर्व, आरंभ के 15 मिनट प्रातःकालीन प्रार्थना सभा हेतु निर्धारित होंगे, जिसमें प्रार्थना होगी तथा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा 'आज का सुविचार' प्रस्तुत किया जाएगा। विद्यार्थियों द्वारा प्रत्येक दिन किसी नैतिक / प्रासंगिक विषय जैसे – जीवन में मूल्यों का महत्व एवं मूल्यपरक शिक्षा, विभिन्न मानव मूल्य यथा – चरित्र निर्माण, राष्ट्रभक्ति, समाजसेवा, कर्तव्यपरायणता, सत्यनिष्ठा, महापुरुषों का जीवन चरित्र, पर्यावरण एवं जल संरक्षण, स्वास्थ-स्वच्छता तथा यातायात व सड़क सुरक्षा आदि पर विचार प्रस्तुत किएजाएंगे।
7. विद्यालय में प्रातःकालीन प्रार्थना सभा के दौरान विभाग द्वारा उपलब्ध करायी गई **'शिष्टाचार पुस्तिका'** के माध्यम से बच्चों को अच्छे व्यवहार, अनुशासन और सामाजिक मूल्यों के प्रति अवगत कराया जाए।
8. विद्यार्थियों में स्क्रीन टाइम कम करने तथा समाचार पत्र पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करने के लिये प्रत्येक दिन प्रार्थना सभा में समाचार पत्र के मुख्य समाचारों को विद्यार्थियों से पढ़वाया जाए। समाचार में प्रयुक्त कुछ कठिन शब्दों का उच्चारण एवं अर्थ सहित वाक्य प्रयोग भी बताया जाए। साथ ही मोबाईल के अधिक प्रयोग से बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों यथा – आँखों की रोशनी पर प्रभाव, पढ़ाई में एकाग्रता में कमी, ऑनलाइन गेम्स की लत आदि के प्रति जागरूक किया जाए।
9. लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करने तथा इस सम्बन्ध में जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से विद्यालयों में प्रार्थना स्थल पर लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करने वाली लघु कथाएं, प्रेरक प्रसंग, संक्षिप्त उद्बोधन, गीत आदि गतिविधियों का आयोजन किया जाए। शनिवार को होने वाली सांस्कृतिक गतिविधियों तथा शिक्षक अभिभावक समिति की बैठक के दिन भी भाषण, लघु नाटिका, गीत आदि आयोजित किए जाएँ।
10. यदि विद्यालय में कोई अन्य भाषा प्रचलित हो तो सप्ताह में एक दिन की प्रार्थना सभा का आयोजन उस भाषा में किया जाए।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद्

सामान्य निर्देश

11. **'नए सत्र में नया सवेरा'** कार्यक्रम का आयोजन : इसके अंतर्गत अप्रैल माह के प्रत्येक सप्ताह में दो दिन शिक्षाधिकारी विद्यालयों की प्रातःकालीन सभाओं में विद्यार्थियों से जीवन मूल्यों, अनुसाशन, नियमित दिनचर्या, आदि प्रासंगिक विषयों पर प्रेरक संवाद करेंगे। कार्यक्रम में यथा संभव विद्यालयों के पुरा छात्रों-छात्राओं एवं विभिन्न क्षेत्रों में सफल व्यक्तियों को भी आमंत्रित किया जाए

12.कक्षा 1 में नव प्रवेशी छात्रों हेतु सत्रारंभ में 12 सप्ताह का स्कूल रेडिनेस कार्यक्रम फेज-2 **"विद्या प्रवेश"** संचालित किया जाए।

13.को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्र /बालवाटिका वाले विद्यालयों में सत्र के अंतिम 12 सप्ताहों में 5-6 आयु वर्ग के बच्चों हेतु **स्कूल रेडिनेस कार्यक्रम फेज-1** संचालित किया जाए।

14. प्रदेश के समस्त प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में बेसिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा मुद्रित करायी गयी पाठ्यपुस्तकों से ही पठन-पाठन का कार्य कराया जाए।

15. विद्यालयों में प्रभावी कक्षा-शिक्षण हेतु उपलब्ध करायी गयी विभिन्न शैक्षणिक सामग्री यथा- संदर्शिका, शिक्षक डायरी, कार्यपुस्तिका, प्रिंटरिच सामग्री, बिग बुक्स, टी0एल0एम0, गणित किट, विज्ञान किट, तालिका आदि का उपयोग कराते हुए प्रभावी कक्षा-शिक्षण किया जाए।

16. वर्कबुक, किट्स, टी0एल0एम0 तथा प्रिंटरिच सामग्री के प्रयोग से छात्र-छात्राओं में प्रश्न, जिज्ञासा एवं पूछताछ के द्वारा अधिगम-संलग्न वातावरण **(Engaging Learning Environment)** का सृजन किया जाए।

17. विद्यालयों में सभी शिक्षकों को शिक्षक डायरी उपलब्ध करायी जाए, जिसमें शिक्षकों द्वारा किए जाने वाले शैक्षिक व अन्य कार्यों के साथ-साथ उनकी शिक्षण योजना का भी उल्लेख हो। प्रधानाध्यापककों द्वारा शिक्षक डायरी का नियमित अवलोकन भी किया जाए तथा निरीक्षण अधिकारी एवं सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के समय एआरपी, एसआरजी एवं डायट मेंटर द्वारा भी इसका अवलोकन किया जाए।

18. कक्षा 1 से 2 तक के विद्यार्थियों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (FLN) विकसित करने के उद्देश्य से प्रतिदिन FLN गतिविधियों का संचालन किया जाए। इन गतिविधियों में कहानी वाचन, शब्द भंडार गतिविधि, गणितीय खेल, चित्र आधारित शिक्षण आदि को शामिल किया जाए।

19. विद्यालयों में पठन-पाठन की समस्त गतिविधियाँ निर्धारित अधिगम परिणामों (Learning Outcomes) के अनुरूप संचालित की जाएँ। प्रत्येक शिक्षक सुनिश्चित करें कि निर्धारित समयावधि में विद्यार्थियों द्वारा अपेक्षित अधिगम परिणाम प्राप्त किए जा रहे हैं। इसके लिए कक्षा 1 से 3 में उपलब्ध करायी गई कार्यपुस्तिकाओं में दिए गए साप्ताहिक आकलन **'मैंने सीख लिया'** के अनुसार रचनात्मक आकलन (Formative Assessment) कराया जाए।

20. विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति का मूल्यांकन केवल वार्षिक या अर्द्धवार्षिक परीक्षा के आधार पर न करते हुए सतत् एवं समग्र मूल्यांकन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसमें मौखिक प्रश्नोत्तरी, कार्यपत्रक (Worksheet), परियोजना कार्य, समूह गतिविधियाँ आदि शामिल की जाएं।

21. विद्यार्थियों के अधिगम उपलब्धियों को विभागीय निर्देशानुसार समय-समय पर **'तालिका'** में अद्यतन किया जाए।

22. समय-समय पर छात्र-छात्राओं के सीखने की दक्षताओं की जाँच के लिए **'निपुण लक्ष्य प्लस ऐप'** का उपयोग विभागीय निर्देशानुसार किया जाए।

23. जो विद्यार्थी सीखने में पिछड़ रहे हों अथवा अपेक्षित अधिगम स्तर प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं, उनके लिए विषय-वार अतिरिक्त शैक्षिक अनुसमर्थन की व्यवस्था की जाए। शिक्षकों द्वारा ऐसे विद्यार्थियों की पहचान की जाए तथा उनके साथ शिक्षक संदर्शिकाओं के निर्देशानुसार तीसरे कालांश के अंतिम 20 मिनट की गतिविधियों को लागू किया जाए अथवा अलग अभ्यास सामग्री तैयार की जाए एवं समय-समय पर अभिभावकों को भी इस संबंध में अवगत कराया जाए।

24. 'हैण्ड्स ऑन एक्टीविटीज, एक्सपीरिएन्शियल (Experiential) लर्निंग विधा एवं परियोजना आधारित शिक्षण (Project Based Learning) जैसे वैज्ञानिक प्रयोगों, गणितीय खेलों एवं प्रयोगशाला गतिविधियों को गणित एवं विज्ञान विषय के शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में शामिल किया जाए।

25. शैक्षणिक गतिविधियों में जीवन कौशल शिक्षा (Life Skills Education) को पठन-पाठन में समाहित किया जाए। इसमें नेतृत्व क्षमता, टीम वर्क, समस्या समाधान, निर्णय लेने की क्षमता, नैतिक मूल्यों का विकास पर आधारित गतिविधियाँ आयोजित की जाएँ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद्

सामान्य निर्देश

26. कक्षा 6-8: विद्यालयों में उपलब्ध ICT संसाधनों के अनुसार डिजिटल शिक्षण सामग्री का उपयोग किया जाए। इसके अंतर्गत DIKSHA पोर्टल, खान एकेडमी, रीड एलांग ऐप एवं 'The Teacher App' की सामग्री का उपयोग, शैक्षणिक वीडियो का प्रदर्शन, डिजिटल क्विज एवं ई-सामग्री का प्रयोग, विद्यार्थियों को डिजिटल साक्षरता के लिए प्रशिक्षित करना सम्मिलित है। साथ ही कक्षा शिक्षण के दौरान प्रत्येक कालांश में कम से कम 10 मिनट ICT संसाधनों का उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

27.कक्षा 6 से 8 के लिए प्रत्येक सप्ताह विज्ञान एवं गणित का कम से कम एक कालांश (Period) अनिवार्य रूप से ICT लैब में आयोजित किया जाए, जिसमें खान एकेडमी की शिक्षण सामग्री का प्रभावी उपयोग हो।

28. प्रधानाध्यापक द्वारा सुनिश्चित किया जाए कि सभी कक्षाओं के लिए निर्धारित मासिक पाठ्यक्रम उसी माह में पूर्ण कर लिया जाए।

29. विद्यार्थियों की प्रगति एवं प्रयासों को **'होलिस्टिक रिपोर्ट कार्ड'** (HPC) में अंकित किया जाए।

30. विद्यार्थियों की समस्त परीक्षा उत्तर पुस्तिकाओं एवं ग्रीष्मावकाश गृहकार्य को विद्यालय द्वारा सुरक्षित रखा जाए।

31. प्रत्येक विद्यालय में विभिन्न क्लबों के माध्यम से छात्र-छात्राओं को विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभाग करने हेतु प्रोत्साहित किया जाए तथा क्लबों की गतिविधियों को प्रेरणा पोर्टल पर अपलोड किया जाए।

32. विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने हेतु इको-क्लब के द्वारा वृक्षारोपण अभियान, जल संरक्षण गतिविधियाँ, प्लास्टिक मुक्त परिसर अभियान, स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आदि को शामिल किया जाए।

33. विद्यालय पुस्तकालय को सक्रिय बनाते हुए प्रत्येक कक्षा के लिए साप्ताहिक पुस्तकालय कालांश निर्धारित किया जाए। विद्यार्थियों को – पुस्तक पठन, पुस्तक समीक्षा, कहानी सुनाने की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

34. विभागीय निर्देशानुसार शनिवार को **Bagless Day/प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग (PBL)** संबंधी गतिविधियों का क्रियान्वयन सुनिश्चित कराया जाये।

35. व्यवहारिक ज्ञान अर्जन में भ्रमण के महत्व को दृष्टिगत रखते हुए छात्र-छात्राओं के लिये 'शैक्षिक भ्रमण' का आयोजन किया जाए। इसके अन्तर्गत उन्हें स्थानीय/जनपद स्तर के ऐतिहासिक/भौगोलिक/सांस्कृतिक/व्यवसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों के भ्रमण पर ले जाया जाए।

36. कक्षा- 6 से 8 के विद्यार्थियों को वार्षिक परीक्षा के उपरान्त नया सत्र आरम्भ होने की पूर्वावधि में उनकी रुचि के अनुरूप भाषा, गणित, विज्ञान, कला, संगीत, सामाजिक विज्ञान आदि विषयों को समाहित करते हुए बहुविषयक दृष्टिकोण पर आधारित एक रचनात्मक प्रोजेक्ट कार्य अनिवार्य रूप से दिया जाए। उदाहरणार्थ- पढ़ी हुई पुस्तकों की तुलनात्मक समीक्षा लिखना, स्वयं कोई कहानी/कविता/नाटक आदि लिखना, भ्रमण किए हुए स्थानों का तुलनात्मक सचित्र वर्णन करना, अपने खींचे हुए चित्रों का संकलन बनाना, कोई क्रियाशील मॉडल तैयार करना, कलाकृति बनाना इत्यादि। रचनात्मक प्रोजेक्ट कार्य का चयन पूर्ण रूप से विद्यार्थियों की रुचि के अनुरूप किया जाए। सत्रारम्भ होने पर विद्यार्थी अपने रचनात्मक प्रोजेक्ट कार्य को कक्षाध्यापक / विषय अध्यापक के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा विद्यालय निरीक्षण के समय इन प्रोजेक्ट कार्यों को उनके समक्ष अवलोकन हेतु प्रस्तुत किया जाए।

37. शनिवार को छोड़कर शेष शिक्षण दिवसों में अंतिम वादन खेल-कूद एवं शारीरिक व्यायाम/योग हेतु निर्धारित किया जाए। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के संवर्द्धन हेतु सप्ताह में एक दिन योग-ध्यान (मेडिटेशन) कराया जाए।

38. **स्पोर्ट्स संबंधी गतिविधियों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन** राज्य परियोजना कार्यालय एवं बेसिक शिक्षा निदेशालय द्वारा निर्धारित समय-सारिणी एवं निर्देशों के अनुसार कराया जाए। **फिट इंडिया** के अन्तर्गत खेल प्रतिभाओं की पहचान के लिए समय-समय पर अन्तर्विद्यालयी प्रतियोगिताएँ आयोजित करायी जाएँ।

39. प्रत्येक माह के चतुर्थ शनिवार को Social and mental wellbeing पर सत्र आयोजित किए जाएं, जिसमें बाल मनोविज्ञान पर आधारित रोचक एवं मनोरंजक गतिविधियाँ भी आयोजित की जाएं। शिक्षकों द्वारा 'मनोदर्पण पोर्टल' पर उपलब्ध सामग्री का उपयोग किया जाए।

40. खेलकूद प्रतियोगिताएँ यथा - दैनिक शारीरिक व्यायाम, योगाभ्यास, स्थानीय खेलों को बढ़ावा देना, विद्यालय स्तर पर खेल आदि सर्वप्रथम विद्यालय स्तर पर सदनवार आयोजित की जाएँ। तत्पश्चात् जनपद स्तर पर, मण्डल स्तर पर तथा राज्य स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित करायी जाएँ एवं प्रत्येक स्तर पर विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाए।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद्

सामान्य निर्देश

41. समाजोपयोगी उत्पादक कार्य (SUPW) के अन्तर्गत माह में एक दिन छात्र/छात्राओं से विद्यालय / कक्षा-कक्ष की साज-सज्जा, बागवानी, सामूहिक श्रमदान, साज-सज्जा की वस्तुओं का निर्माण, क्ले मॉडलिंग एवं हस्तकला से सम्बन्धित क्रिया-कलाप अवश्य कराये जाएं।

42. महापुरुषों की जयन्ती दिवस पर उनके जीवन एवं योगदान के विषय में चर्चा की जाए तथा निबन्ध, पोस्टर एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन करके विद्यार्थियों को जागरूक किया जाए।

43. विद्यार्थियों के स्वास्थ्य संरक्षण हेतु वर्ष में कम से कम एक बार स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया जाए तथा विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराकर उनका स्वास्थ्य कार्ड तैयार कराया जाए। छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य परीक्षण व स्वास्थ्य की स्थिति से अभिभावकों को अवगत कराया जाए। इसके साथ ही पाल्यों के स्वास्थ्य की देखभाल, स्वच्छता, कुपोषण के दुष्प्रभावों व पौष्टिक आहार के प्रति भी उन्हें जागरूक किया जाए। विद्यार्थियों को स्वच्छता, संतुलित आहार एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाए। योग एवं ध्यान गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित किया जाए।

44. विद्यालयों में त्रैमासिक अध्यापक-अभिभावक बैठक (PTM) का आयोजन किया जाए। जिसमें विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति पर अभिभावकों से विचार-विमर्श किया जाए। इन बैठकों में विशेष रूप से विद्यार्थियों की प्रगति के साथ अभिभावकों से बच्चे को नियमित विद्यालय भेजने पर चर्चा की जाए।

45. विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए अभिभावकों एवं समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। इसके अंतर्गत नियमित अभिभावक-शिक्षक बैठक, स्थानीय व्यक्तियों को विद्यालय गतिविधियों में आमंत्रित किया जाए।

46. प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों द्वारा **'मासिक संकुल बैठक'** में ससमय अनिवार्य रूप से प्रतिभाग किया जाए तथा बैठकें निर्धारित एजेंडा के अनुसार आयोजित की जाएँ।

47. समय समय पर विभाग द्वारा जारी किए गए निर्देशानुसार प्रशिक्षणों में प्रतिभाग सुनिश्चित किया जाए।

48. उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर परामर्श सत्र (Counselling Sessions) आयोजित किए जाएँ, विशेष रूप से – परीक्षा तनाव, किशोरावस्था से संबंधित समस्याएँ, आत्मविश्वास विकास पर चर्चा की जाए।

49. लर्निंग बाय डूइंग कार्यक्रम हेतु चयनित विद्यालयों में अनिवार्य रूप से प्रत्येक सप्ताह लर्निंग बाय डूइंग की गतिविधियाँ/ प्रैक्टिकल आयोजित करने हेतु कालांश आवंटित कराते हुए समय सरिणी के अनुसार कक्षाओं का संचालन सुनिश्चित किया जाए।

50.प्रत्येक जनपद में एक चयनित पी0एम0श्री0 विद्यालय को "हब एण्ड स्पोक मॉडल" के अंतर्गत विकसित करते हुए, उसमें एस्ट्रोनॉमी लैब एवं ए0आई0 आधारित स्किल लैब की स्थापना तकनीकी सहयोगी संस्था यू0पी0ई0एल0सी0 के माध्यम से की जा रही है। इसके अतिरिक्त प्रदेश के 1565 पी0एम0श्री0 विद्यालयों में यू0पी0ई0एल0सी0 के माध्यम से सुसज्जित विज्ञान प्रयोगशालाएं स्थापित की जा रही है। उक्त लैब के माध्यम से छात्र- छात्राओं को अनुभवात्मक शिक्षण कराया जाए।

51. बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के उद्देश्य से संचालित मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत प्रत्येक विद्यालय में "शक्ति मंच" का गठन किया जाए। "शक्ति मंच" की नियमित बैठक आयोजित की जाए, जिसमें निम्नलिखित मुद्दों पर सृजनात्मक लेखन, डिबेट, चित्रकला, नाटक, गीत, एवं कहानी आदि के माध्यम से चर्चा की जाए-

- अपने आस-पास की उन बालिकाओं की सूची तैयार करना, जिनका नामांकन स्कूल में नहीं हुआ है और साथ ही उन कारणों की सूची बनाना जिनके कारण बालिकायें विद्यालय नहीं आती हैं। ऐसी बालिकाओं का नामांकन कराने के लिये विद्यालय की मदद प्राप्त करना।
- बालिकाओं के लिए विद्यालय में आ रही बाधाओं पर चर्चा तथा उसके निवारण की योजना बनाना।
- बाल एवं महिला अधिकारों पर चर्चा। बालिकाओं की शिक्षा के महत्व पर चर्चा।
- बालिकाओं के हितों के प्रतिकूल समाज में प्रचलित कुरीतियां तथा निदानात्मक रणनीतियाँ।
- किशोरावस्था सम्बन्धी शंकाए/जिज्ञासाएं तथा समाधान।
- आत्मरक्षा के उपायों पर चर्चा एवं अभ्यास।
- बाल अखबारों/कॉमिक्स का निर्माण।
- बच्चों को अपनी शिकायत लिखकर शिकायत पेटिका में डालने के लिए प्रेरित करना तथा माह के अन्तिम शनिवार को

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद्

सामान्य निर्देश

· आत्मरक्षा के उपायों पर चर्चा एवं अभ्यास।
· बाल अखबारों/कॉमिक्स का निर्माण।
· बच्चों को अपनी शिकायत लिखकर शिकायत पेटिका में डालने के लिए प्रेरित करना तथा माह के अन्तिम शनिवार को एस०एम०सी० की एक महिला सदस्य के माध्यम से शिकायतों को पढ़कर उत्तर/समाधान कराना।
· बच्चों की सुरक्षा के लिये गठित हेल्पलाइन्स व इसके प्रयोग की जानकारी देना।
· बालकों में लैंगिक संवेदनशीलता विकसित करने के सम्बन्ध में चर्चा परिचर्चा।

52. POCSO (Protection of Children against Sexual Offence) Act के प्रति विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं सभी विद्यालयी स्टाफ में जागरूकता उत्पन्न करने के लिये वर्ष में कम से कम दो बार संगोष्ठी, विशेष कार्यक्रम आदि अनिवार्य रूप से आयोजित किए जाएं। साथ ही चाइल्ड हेल्पलाइन नं0 (1098) को विद्यालय में ऐसे प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किया जाए, जहाँ विद्यार्थी इसे नियमित रूप से देख सकें और आवश्यकता पड़ने पर प्रयोग कर सकें।

53. विद्यालयों में किशोरावस्था शिक्षा कार्यक्रम (Adolescence Education Programme) के क्रियान्वयन हेतु लैंगिक मुद्दों, मनोभावों के नियंत्रण, व्यक्तिगत स्वच्छता एवं स्वस्थ पारस्परिक सम्बन्धों के विषय में जागरूकता कार्यक्रम समय-समय पर संचालित किए जाएं।

54. उच्च प्राथमिक कक्षाओं में अध्ययनरत छात्राओं को सुरक्षित पीरियड्स तथा इस दौरान व्यक्तिगत साफ-सफाई की आवश्यकता के सम्बन्ध में जागरूक करने के लिये वर्ष में कम से कम दो बार कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। साथ ही विद्यालय अवधि में उन्हें आवश्यकता पड़ने पर सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराने तथा प्रयुक्त नैपकिन के समुचित निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

55. विद्यार्थियों में जंक फूड के प्रति बढ़ती रूचि को नियंत्रित करने तथा उन्हें जंक फूड के शरीर पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिये जानकारी से पूर्ण वीडियो दिखाए जाएं, विज्ञान क्लब या अन्य गतिविधियों के माध्यम से जंक फूड में खतरनाक रसायनों की उपस्थिति से परिचित कराया जाए तथा विद्यार्थियों को पैकेट बंद खाद्य पदार्थों के पीछे लिखी प्रयुक्त सामग्री सूची को पढ़कर स्वास्थ्यकर एवं अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों की पहचान करना सिखाया जाए।

56. विद्यालयों में शिक्षण कार्य सुचारू रूप से सम्पादित किए जाने हेतु किसी भी शिक्षक अथवा प्रधानाध्यापक के किसी प्रकार की शासकीय ड्यूटी पर जाने से पूर्व उनके प्रतिस्थानी की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाए।

57. ODOP (One District One Product- एक जनपद एक उत्पाद) के उत्पादों एवं उनका दैनिक जीवन में उपयोग संबंधी जानकारी देते हुए छात्रों को जागरूक किया जाए।

58. पी.एम. श्री विद्यालयों के लिए निर्धारित की गई 22 गतिविधियों को सभी विद्यालयों में क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

नोट : सभी विद्यालयों द्वारा वार्षिक शैक्षिक पंचांग में दिए गए समस्त निर्देशों का कड़ाई से पालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए।